बिहार विधान-सभा वादवृत्त ।

(भाग—1 कार्यवाही प्रश्नोत्तर)

बुधवार, दिनांक 1 जुलाई, 1981 ई० ।

विषय-सूची ।

	पृष्ठ
प्रश्नों के मौखिक उत्तर :	
अल्प-सूचित प्रश्नोत्तर संख्या—1	1—3
तारांकित प्रश्नोत्तर संख्या—322, 324, 325, 326, 327, 328, 329, 330, 331, 332, 333, 334, 335, 337, 350, 357, 392, 405, 406, 451, 494 और 505 । ...	3—34
परिशिष्ट—(प्रश्नों के लिखित उत्तर)	35-78
दैनिक निबंध ...	79-80

टिप्पणी —जिन मंत्रियों एवं सदस्यों ने अपना भाषण संशोधित नहीं किया है, उनके नाम के आगे (*) चिह्न लगा दिया गया है ।

(4) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक है, तो सरकार उक्त चिकित्सकों के इस भ्रष्टाचार के विरुद्ध कार्रवाई करने का विचार रखती है यदि हां तो कबतक और नहीं तो क्यों ?

श्री उमेश्वर प्रसाद वर्मा—(1) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(2) एवं (3) यह इसकी जाँच करवायी जा रही है डा० सी० जी० शाहा फिजियोलोजी विभाग में प्राध्यापक के पद पर कार्यरत हैं न कि एनाटोमी विभाग में।

(4) अगर आरोप सत्य पाया गया तो उन चिकित्सकों के विरुद्ध प्रशासनिक कार्रवाई की जायगी।

सचिवालय में अस्पताल की व्यवस्था

432. श्री नील मोहन सिंह—क्या मंत्री, स्वा० विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि सचिवालय अल्प वेतन भोगी कर्मचारी संगठन की ओर से सचिवालय कैम्पस में एक अस्पताल की मांग की है;

(2) क्या यह बात सही है कि सचिवालय कर्मचारियों को कार्यालय अवधि में दुर्घटना जख्म, बिमारी या अचानक अस्वस्त होने पर फष्ट ऐड (प्रथमिक) उपचार की कोई व्यवस्था नहीं है, यदि हां तो सरकार कब से सचिवालय अस्पताल की व्यवस्था करने का जा रही है ?

डा० उमेश्वर प्रसाद बर्मा — 1) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(2) स्वास्थ्य विभाग द्वारा सचिवालय में उपचारगृह स्वीकृत किया जा चुका है। भवन के अभाव में औषधालय की स्थापना नहीं की गयी है। भवन उपलब्ध कराने की दिशा में कार्रवाई की जा रही है।

पानी में जमाव को हटाने की व्यवस्था

433. श्री राजेन्द्र प्रसाद शर्मा—क्या मंत्री, लोक निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—